गन्ने की खोई से अखबारी कागज

१६११. **डा० राम सुभग सिंह** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री २४ अगस्त, १९५७ के तारांकित प्रश्न संख्या ११३८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) शक्करनगर (आन्ध्र प्रदेश) में अखबारी कागज के कारखाने के सम्बन्ध मे परियोजना रिपोर्ट के लिये जर्मन विशेषज्ञो की फर्म को कुल कितनी फीस दी गई ;

(ख) इस फर्म द्वारा सुझाई गई नई प्रक्रिया नेपा के अखबारी कागज के कारखाने में अपनाई गई प्रक्रिया की तुलना मे कहां तक लाभप्रद है; और

(ग) क्या इस प्रक्रिया से अखबारी कागज के उत्पादन की लागत कम हो जायेगी ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) रिपोर्ट देने के लिये कोई फीस नही दी गयी ।

(ख) दोनों प्रक्रियाओं की तुलना संभव नही है लेकिन यहा यह बात ध्यान मे रखने की है कि नयी प्रक्रिया का प्रयोग गन्ने की खोई से अखबारी कागज बनाने के लिये किया जाएगा ।

(ग) आशा तो यही है ।

अम्बर चर्खे

१६१२. **डा० राम सुभग सिंह** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बतावे की कृपा करेंगे कि :

(क) कितने व्यक्तियों ने अम्बर चर्खे को सहायताप्राप्त मूल्य पर खरीदने की योजना मे अब तक लाभ उठाया है ; और

(ख) सहायताप्राप्त योजना के अन्तर्गत अब तक कुल कितनी राशि दी जा चुकी है ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) ८९,०१७ व्यक्तियों ने ।

(ख) १,१४,५६१ अम्बर चरखे किराया-खरीद प्रणाली पर बांटने के लिये खादी तथा ग्रामोद्योग कमीशन ने विभिन्न सस्थाओ और अभिकरणों को १,३७,४७,३८० रु० का ऋण दिया है ।

विदेशी सरकारों को प्रत्यावर्तन व्यय

१६१३. **श्री म० दी० मिश्र** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भारतीयों के विदेशो से प्रत्यावर्तन के लिये भारत को विदेशी सरकारों का कितना शेष धन देना है ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : विदेशो से जो भारतीय वापस लाये गये है उनके बारे में विदेशी सरकारो को कोई धन देना बाकी नही है ।

सिन्दरी उर्वरक

१६१४. **श्री झूलन सिंह** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सिन्दरी उर्वरक कारखाने को बीकानेर से जिप्सम पर्याप्त मात्रा में लगातार मिलता रहे इसके लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है;

(ख) क्या यह सच है कि गत वर्ष सिन्दरी के कारखाने को जिप्सम कम मिलने के कारण अमोनियम सल्फेट का उत्पादन कम हो गया था; और